SOCIAL SCIENCE JOURNAL FOR KIDS

# भारत में महिलाओं की जीवन की पसंदे समय के साथ कैसे बदल गई है?

**लेखक:**
शरीन जोशी और अन्य

**सहयोगी संपादक:**
एलीसन गैमज़ोन और राचेल वॉटसन

**अनुवाद:**
श्रेया थपलियाल

## अमूर्त विचार

आपको क्या लगता है आप अब से 10 साल बाद क्या करेंगे? क्या आपके पास एक नौकरी है? क्या आप शादीशुदा हैं? क्या आपके बच्चे हैं? आपके पूरे जीवन में, ऐसे निर्णय होंगे जो आपके जीवन का मार्ग निर्धारित करेंगे। यह जीवन का प्रक्षेपपथ अक्सर विभिन्न कारकों के द्वारा प्रभावित होता है। ये कारक एक देश से दूसरे देश में अलग-अलग होते हैं। उनमें सामाजिक स्थिति, धर्म और सरकार की नीतियां शामिल हो सकती हैं। जीवन की प्रक्षेपपथें किसी देश की सफलता को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे यह निर्धारित कर सकती हैं कि कितने लोग कार्यबल का हिस्सा हैं। वे यह भी निर्धारित करते हैं कि देश की जनसंख्या बढ़ेगी या नहीं।

हमने यह निर्धारित करने के लिए सर्वेक्षण के आँकड़ों का विश्लेषण किया कि समय के साथ भारत में महिलाओं के जीवन के प्रक्षेपपथों में कैसे बदलाव आया। हमें पता चला कि पहले से ज्यादा महिलाएं हाई स्कूल से स्नातक हो रही हैं, इसलिए वे ज्यादा देरी से शादी कर रही हैं। हमने यह भी पाया कि सामाजिक स्थिति और धर्म बच्चे पैदा करने और नौकरी पाने के उनके निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

## परिचय

आप प्रतिदिन सैकड़ों निर्णय लेते हैं। आज मुझे क्या पहनना चाहिए? मुझे दोपहर के भोजन के लिए क्या चाहिए? आपके द्वारा लिए गए निर्णय अक्सर बाहरी कारकों से प्रभावित होते हैं। आपने स्वेटर को पहनना इसलिए चुना क्योंकि बाहर ठंड थी। आपने भोजन के उपलब्ध विकल्पों के आधार पर अपना दोपहर का भोजन चुना। यही बात उन बड़े निर्णयों के लिए भी सच है जो आपके जीवन के प्रक्षेपपथ को प्रभावित करते हैं। क्या मुझे विश्वविद्यालय जाना चाहिए या नौकरी करनी चाहिए? क्या मुझे 18 साल की आयु में शादी कर लेनी चाहिए, या मुझे बड़े होने तक इंतजार करना चाहिए? लोग व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के आधार पर चुनाव करते हैं। लेकिन वे संस्कृति, धर्म और सरकारी नीतियों से भी प्रभावित होते हैं। इसका मतलब है कि एक व्यक्ति द्वारा लिए गए निर्णय एक देश से दूसरे देश में अलग-अलग होते हैं। वे एक देश के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भी अलग-अलग हो सकते हैं।

लोगों के जीवन की प्रक्षेपपथें किसी देश की आर्थिक सफलता को भी प्रभावित कर सकती है। उदाहरण के लिए, महिलाओं को अक्सर परिवार चलाने या रोजगार पाने के बीच चयन करना पड़ता है। यदि अधिक महिलाएँ काम करें तो इससे देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सकल घरेलू उत्पाद एक संकेतक (indicator) है जिसका उपयोग किसी देश की आर्थिक सफलता को निर्धारित करने के लिए किया जाता है। इसमें लोगों द्वारा घर के बाहर लिया जाने वाला भुगतान वाले काम को गिना जाता है। इसमें घर पर बिना भुगतान वाले देखरेख के काम शामिल नहीं होते हैं – जो लगभग हमेशा महिलाओं द्वारा ही किया जाता है।

A

B

लोगों के जीवन के प्रक्षेपपथ में कार्यबल (workforce) को ज्वाइन करने के बारे में निर्णय(A) और परिवार शुरू करने के बारे में निर्णय (B) लेना शामिल होता है।

भारत अपनी सकल घरेलू उत्पाद (GDP) बढ़ाना चाहता है। इसका मतलब है कि भारत को महिलाओं के लिए घर से बाहर काम करने के लिए अधिक अवसर पैदा करने की जरूरत है। लेकिन महिलाएं क्या निर्णय ले रही हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए, हमने भारत की युवा महिलाओं के जीवन के प्रक्षेपपथों की जांच की। हमने स्कूल जाने, शादी करने, बच्चे पैदा करने और कार्यबल (workforce) में शामिल होने के बारे में महिलाओं के निर्णयों की तरफ फोकस किया। हम देखना चाहते थे कि क्या समय के साथ उनके फैसले बदल चुके हैं। हम यह भी जानना चाहते थे कि कौन से कारक (factors) उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं

## विधियाँ

हमने 1992-2016 तक के चार राष्ट्रीय जनसंख्या सर्वेक्षणों से आंकड़े एकत्रित किये। हमने 15-24 वर्ष की युवा महिलाओं की तुलना अधिक उम्र की महिलाओं (25 या उससे अधिक) से की। हमने 2005-2006 और 2015-2016 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का भी उपयोग किया। सभी चार सर्वेक्षणों से, हमने प्रत्येक आयु वर्ग के लिए निम्नलिखित जानकारी की पहचान की:

- शादी के समय आयु
- उनकी पहले बच्चे के जन्म के समय आयु
- गर्भनिरोधक का उपयोग
- शिक्षा का स्तर
- कार्यबल में भागीदारी

फिर हमने राज्य, जाति (सामाजिक वर्ग) और धर्म के आधार पर आंकड़ो का विश्लेषण किया। इससे हमें यह निर्धारित करने में मदद मिली कि कौन से कारक महिलाओं के जीवन के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं।

## परिणाम

हमारे आंकड़ो के विश्लेषण से, हमें सभी राज्यों में निम्नलिखित पैटर्न मिले।

- युवा महिलाओं की शादी की आयु बढ़कर लगभग 18 वर्ष हो गई (चित्र 1A)।
- जब उनका पहला बच्चा हुआ तब उनकी आयु बढ़कर लगभग 19.2 वर्ष हो गई (चित्र 1B)।
- पहले अधिक महिलाएं हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी कर रही हैं।
- कार्यबल(workforce) में शामिल होने वाली महिलाओं की संख्या में वृद्धि नहीं हुई।

दक्षिणी राज्यों में विवाह और गर्भनिरोधक के उपयोग की आयु अधिक देखी गई। हमने यह भी पाया कि निचली जातियों की महिलाओं में गर्भनिरोधक का उपयोग करने और उनमे रोजगार प्राप्त करने की ललक पहले से अधिक थी। जिन महिलाओं ने स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं की होती थी, वे कम उम्र में ही शादी कर लेती थीं और बच्चे पैदा कर लेती थीं।

1992 और 2016 के बीच शादी की आयु और पहला जन्म देते समय की आयु में कितना बदलाव आया?

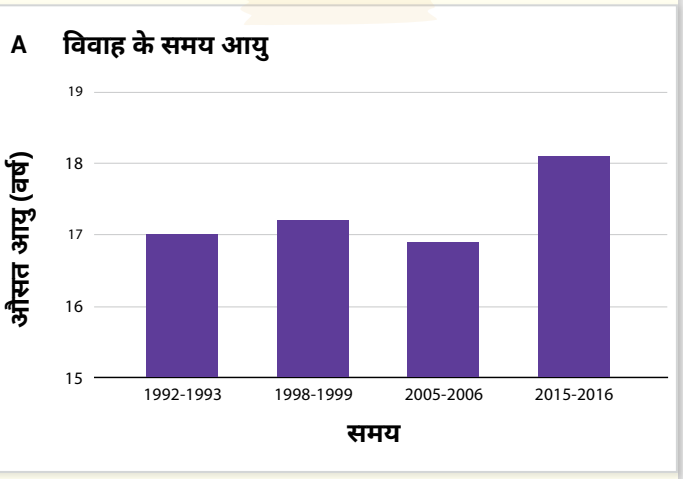


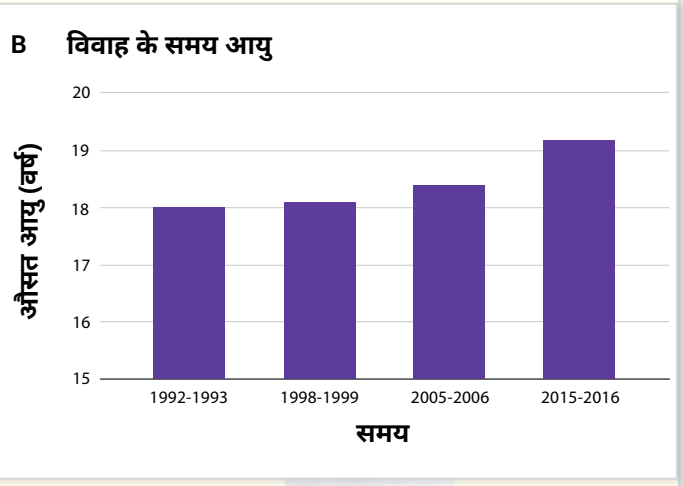


**चित्र 1**: 15-24 वर्ष की महिलाओं के लिए विवाह की आयु (A) और उनके पहले बच्चे के जन्म के समय आयु (B) में परिवर्तन।

## बहस

हमारे विश्लेषण से पता चला कि भारत में युवा महिलाओं के जीवन की प्रक्षेपपथों में 1992 और 2016 के बीच बदलाव आया। शादी की आयु में वृद्धि हुई। यह वृद्धि संभवतः शिक्षा से जुड़ी है। हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने वाली महिलाओं की अक्सर अधिक उम्र में शादी हो जाती है। जो महिलाएं स्कूल छोड़ देती हैं, उनकी शादी 18 साल से कम आयु में होने की अधिक संभावना होती है। उनकी पहली संतान 18 साल से पहले होने की भी अधिक संभावना होती है।

हमें शिक्षा और नौकरी पाने या गर्भनिरोधक के उपयोग के बीच कोई संबंध नहीं मिला। वो विकल्प जाति और धर्म से अधिक प्रभावित पाये गये। निचली जाति की महिलाओं में शादी में देरी करने, नौकरी पाने और गर्भनिरोधक का उपयोग करने की अधिक संभावना बढ़ती जा रही है। उच्च जाति और सामाजिक दर्जा प्राप्त महिलाओं की शादी जल्दी हो जाती है और उनके बच्चे भी जल्दी हो जाते हैं। वे नौकरी नहीं करती बल्कि वे मातृत्व पर ध्यान केंद्रित करती हैं। ऐसा इसलिए संभव होता है क्योंकि निचली जातियों की महिलाएं अधिक गरीब होती हैं। इसलिए, उन्हें शादी करने और अपना परिवार शुरू करने से पहले अपने परिवार का सहयोग करने के लिए काम करना होता है।

एक देश के रूप में भारत में बदलाव की क्षमता ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को कार्यबल(workforce) में शामिल होने के अवसर पर निर्भर करती है। उन्हें अपने काम के लिए उचित वेतन की भी आवश्यकता होगी। शिक्षा और गर्भनिरोधक के उपयोग को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों को जाति और धर्म के प्रभावों पर विचार करना चाहिए। साथ ही, प्रत्येक राज्य को यह निर्णय लेना होगा कि उन्हें क्या-क्या परिवर्तनों करने की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि राज्य एक दूसरे से बहुत अलग हैं। प्रत्येक राज्य को वहां पर रहने वाली महिलाओं की जरूरतों के अनुसार बदलाव लाने चाहिए ।

## निष्कर्ष

जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आपके अधिकतर निर्णय आपके जीवन के प्रक्षेपपथ को प्रभावित करेंगे। कई स्थितियों में, आपको दो विकल्पों के बीच निर्णय लेना होगा जो समान रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं। क्या मुझे वाद-विवाद टीम में शामिल होना चाहिए, या मुझे फुटबॉल टीम के लिए प्रयास करना चाहिए? क्या मुझे स्कूल की छुट्टियों के दौरान पैसे कमाने या अपने संगीत कौशल में सुधार करने का प्रयास करना चाहिए? निर्णय लेना हर आयु में चुनौतीपूर्ण हो सकता है। क्या आपको निर्णय लेने में परेशानी होती है? माता-पिता, शिक्षकों, सलाहकारों या अन्य जानकार वयस्कों से सलाह लें। वे आपको विकल्पों का विश्लेषण करने में मदद कर सकते हैं ताकि आप वह विकल्प चुनें जो बर्तमान और भविष्य में आपके लिए सबसे अधिक उपयोगी होगा।

## प्रमुख शब्दों की शब्दावली

**जाति** - संपत्ति , विशेषाधिकार और करियर में असमानताओं के आधार पर समाज का एक भाग जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक चलता रहता है।

**गर्भनिरोधक** - गर्भावस्था को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक विधि। उदाहरणों में हार्मोनल जन्म नियंत्रण गोलियाँ, अंतर्गर्भाशयी यंत्र (आईयूडी), कंडोम और नसबंदी शामिल हैं।

**आर्थिक** - किसी देश के धन, उद्योग और व्यापार से संबंधित।

**सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** - एक वर्ष में किसी देश द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य। GDP जितनी अधिक होती है, हम उतना ही बेहतर कहेंगे कि देश आर्थिक रूप से उन्नति कर रहा है। GDP में लोगों द्वारा घर के बाहर किए गए काम के मूल्य का भुगतान शामिल होता है, लेकिन GDP में घर पर अवैतनिक देखभाल संबंधी काम का मूल्य शामिल नहीं होता है, जो आमतौर पर महिलाओं द्वारा किया जाता है।

**जीवन का प्रक्षेपपथ** - वह पथ जो एक व्यक्ति जीवन के लिए अपनाता है।

**कार्यबल** - वे लोग जो काम कर रहे हैं या काम करने में सक्षम हैं।

**DOI:** doi.org/10.6084/m9.figshare.25351936

**स्वीकृति:** इस लेख के रूपांतरण को Bill & Melinda Gates Foundation द्वारा समर्थित किया गया था।

BILL & MELINDA GATES foundation

# अपनी समझ को जाँचे

1. लोगों के जीवन की प्रक्षेपपथें किसी देश की अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित कर सकती हैं?

---

---

2. शिक्षा और विवाह की आयु के बीच क्या संबंध है?

---

---

3. भारत में एक महिला के जीवन की प्रक्षेपपथ को कौन से कारक प्रभावित करते हैं?

---

---

4. क्या भारत में एक महिला जहां रहती है उसका उसके जीवन की प्रक्षेपपथ पर प्रभाव पड़ता है? अपने जवाब को समझाएं।

---

---

5. अपने जीवन की प्रक्षेपपथ की भविष्यवाणी करें। अपने विचारों में विवाह, बच्चे पैदा करना, शिक्षा और नौकरियों के बारे में तथ्य शामिल करें।

---

---

## संदर्भ

शरीन जोशी, काकोली बोर्कोटोकी, अभिषेक गौतम, नितिन दत्ता, प्रणिता अच्युत, प्रिया नंदा, और रवि वर्मा (2020) लाभांश को संतुलित करने के लिए अग्रसर हैं? पिछले दो दशकों में भारत की युवा महिलाओं के जीवन की प्रक्षेपपथों में परिवर्तन। प्लोस वन।
https://journals.plos.org/plosone/article?id=10.1371/journal.pone.0242876

संयुक्त राष्ट्र: आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग (2023) जनसांख्यिकीय परिवर्तन से आर्थिक लाभ का दोहन
https://www.un.org/development/desa/dpad/publication/frontier-technology-issues-harnessing-the-economic-dividends-from-demographic-change/

जनसंख्या शिक्षा: जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल क्या है?
https://populationeducation.org/what-demographic-transition-model/

गैपमाइंडर फाउंडेशन: वैश्विक रुझान
https://www.gapminder.org/tools/#$chart-type=bubbles&url=v1